BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

विषय – हिंदी

निर्देश ः-

1. कविता को समझने के लिए दिए गए लिंक देखें।
2. दिए गए कठिन शब्द, प्रश्नोत्तर तथा रचनात्मक कार्य कॉपी में करें।
3. कॉपी की जाच स्कूल खुलने के बाद की जाएगी।

नीचे दिया गया लिंक वसंत पुस्तक के लिए है ः-

http://ncertbooks.prashanthellina.com/class_6.Hindi.Vasant/index.html

पाठ- वह चिड़िया जो

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें और गौरैया के बारे में जानें:-

https://www.youtube.com/watch?v=f5HxzPlU_u0

पाठ परिचय : -

- 'वह चिड़िया जो' कविता 'श्री केदारनाथ अग्रवाल जी' दवारा लिखी गई है।
- इस कविता में कवि ने नीले पंखों वाली चिड़िया के बारे में बताते हुए अपने स्वभाव को व्यक्त किया है।
- कवि कहता है कि छोटी चिड़िया को अन्न से बहुत प्यार है, वह रूचि से दूध- भरे ज्वार के दानों को खाती है।
- वह एक संतोषी चिड़िया है।
- वह वन में घूमकर अपने कंठ से मीठे स्वर में गाना गाती है।

- उसे एकांत में रहना पसंद है।
- उसे नदी से बहुत प्यार है, वह तेज़ बहती नदी से पानी की बूंदों को चोंच में भरकर ले आती है।
- वह एक साहसी चिड़िया है, उसे स्वयं पर गर्व है।

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें तथा कविता को समझें:-
https://www.youtube.com/watch?v=Bq5VCzlF9Xc&feature=youtu.be

कविता का अर्थ ः

वह चिड़िया जो ... अन्न से बहुत प्यार है।

अर्थ : इस काव्यांश में कवि ने नीले पंखों वाली छोटी सी चिड़िया के बारे में बताया है। वह चिड़िया चोंच मारकर दूध भरे ज्वार के दानों को चाव से खाती है। उसे अन्न से बहुत प्यार है और वह संतोषी है।

वह चिड़िया जो ... विजन से बहुत प्यार है।

अर्थ : इस काव्यांश में कवि ने बताया है चिड़िया अपने मुक्त कंठों से मधुर स्वर मे गाती है। उसके सारे गीत अपने वन को समर्पित है जहाँ वह रहती है। उसे एकांत में रहना अच्छा लगता है। इस काव्यांश में कवि ने अकेले में ख़ुशी से रहने का सन्देश दिया है।

वह चिड़िया जो ... नदी से बहुत प्यार है।

अर्थ : इस पंक्ति मे चिड़िया ने अपने साहस का वर्णन करते हुए बताया है कि वह छोटी जरूर है, परन्तु साहसी है। वह जल से भरी नदी के बीच से भी पानी की बूंदो को चोंच में भर कर ले आती है। यह साहसिक काम करने पर उसे स्वयं पर गर्व है। चिड़िया को नदी से बहुत प्यार है। इस काव्यांश में कवि ने बताया है कि कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारना चाहिए और उसका डट कर मुकाबला करना चाहिए।

कठिन शब्दों के अर्थ

- जुंडी – ज्वार की बालियाँ
- रुचि से – चाव से
- कंठ – गला
- बूढ़े वन–बाबा – पुराना–घना वन
- रस उँड़ेलकर – मीठी आवाज
- विजन – एकांत
- चढ़ी नदी – जल से भरी
- दिल टटोलकर – बीच से
- जल का मोती – पानी की बूँदें
- गरबीली – गर्व करने वाली

दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में लिखो ः-

1. इस कविता में जुडी के दानों को कैसा बताया गया है?
2. चिड़िया के पंख किस रंग के हैं?
3. चिड़िया किस स्वभाव की है?
4. चिड़िया नदी से क्या ले जाती है और कैसे?
5. 'गरबीली चिड़िया' में विशेषण और विशेष्य को अलग करें।
6. चिड़िया किसके लिए गाती है?
7. चिड़िया कैसा गाती है?

प्रश्नोत्तर ः-

1. चिड़िया को किन- किन चीजों से प्यार है?
2. चिड़िया स्वयं को संतोषी क्यों कहती है?
3. चिड़िया की विशेषताएँ लिखिए।
4. वन को बूढ़ा क्यों कहा गया है?
5. चिड़िया के माध्यम से कवि ने मनुष्य को क्या संदेश दिया है?

रचनात्मक कार्य ः-

1. चिड़िया का सुंदर सा रंगीन चित्र बनाए□
2. यदि मैं पक्षी होता- विषय पर **10-12** पंक्तियों का अनुच्छेद लिखिए।